Ram stuti lyrics in Hindi

॥ श्री राम स्तुति ॥

श्रीरामचंद्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणं।
नवकंज-लोचन, कंज-मुख, कर-कंज, पद कंजारुणं ॥१॥

कंदर्प अगणित अमित छवि, नवनील नीरद सुंदरं।
पट पीत मानहु तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक सुतावरं ॥२॥

भजु दीनबंधु दिनेश दानव-दैत्य-वंश निकंदनं।
रघुनंद आनंदकंद कोशलचंद दशरथ-नंदनं ॥३॥

सिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदारु अंग विभूषणं।
आजानुभुज शर-चाप-धर, संग्राम-जित-खरदूषणं ॥४॥

इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि-मन-रंजनं।
मम हृदय कंज निवास कुरु, कामादि खल-दल-गंजनं ॥५॥

॥ जय श्री राम ॥

अप्रतिम ब्लॉग | हिंदी पाठकों के लिए अद्वितीय स्थान